कक्षा–8 (विषय-हिंदी)

पाठ- 4 बालकनी

मुख से - इन प्रश्नों के उत्तर बताइए।

क) लेखक अपना खाली वक्त कहां बिताते थे?

उत्तर- लेखक अपना खाली वक्त बालकनी में बिताते थे।

ख) लेखक को चिड़ियों और गिलहरियों की ज़िंदगी कैसी लगती थी?

उत्तर- लेखक को चिड़ियों और गिलहरियों की ज़िंदगी काफी मज़ेदार लगती थी।

ग) लेखक को बंदरों का जीवन कठिन क्यों लगा?

उत्तर- लेखक को बंदरों का जीवन इसलिए कठिन लगा क्योंकि लोग उन्हें घर से भगा देते थे। कोई भी उनको डंडा लेकर खदेड़ देता था।

घ) बिल्ले का आत्मविश्वास कम क्यों हो गया?

उत्तर- बिल्ले का आत्मविश्वास इसलिए कम हो गया क्योंकि चिड़ियों की आवाज सुनकर अन्य कई चिड़िया वहां पहुंच गईं और ऊंची आवाज़ में चींचीं करने लगीं।

कलम से - इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) लेखक के मन में बंदरों के विषय में क्या–क्या विचार आते थे?

उत्तर- लेखक के मन में बंदरों के विषय में तरह–तरह के विचार आते थे जैसे– बंदर कहां से आए होंगे? यह आवारा क्यों घूम रहे हैं? क्या इनका कोई घर नहीं है? अगर कोई घर है तो इन्हें वहां से किसने निकाल दिया? आदि।

ख) जब बिल्ला चिड़ियों के घोंसले के पास जाने लगा तब लेखक ने क्या सोचकर उसे रोका नहीं?

उत्तर- जब बिल्ला चिड़ियों के घोंसले के पास जाने लगा तब लेखक ने चाह कर भी उसे नहीं रोका। उन्होंने सोचा वह एक लेखक हैं शायद उन्हें कोई नई कहानी मिल जाए।

ग) लेखक के बिल्ले और बंदरों के अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- जब बिल्ला चिड़ियों के अंडे खाने के लिए धीरे–धीरे धीरे पेड़ पर चढ़ा रहा था। तब कई चिड़ियां मिलकर जोर–जोर से चींचीं की आवाज़ करने लगी। तब बिल्ले के चेहरे पर ऐसे भाव आए जैसे वह कोई बुरा काम करते पकड़ा गया हो। इसके बाद वह नीचे उतर गया। एक रात सर्दी के मौसम में बारिश में भीगी एक बंदरिया अपने बच्चे को लेकर बालकनी में आ गई। लेखक द्वारा देखे जाने पर वह वापस पेड़ पर चली गई। एक बार एक बंदर लेखक की बालकनी से घर में घुस गया व खाने की मेज़ पर रखे फल खा गया तथा कुछ फल अपने साथ ले गया। इन घटनाओं से लेखक ने अनुभव किया कि पशु पक्षियों में भी संवेदनाएं होती हैं।

घ) कंचन कौन थी? वह किस घटना के बाद बंदरों से डरने लगी थी?

उत्तर- कंचन लेखक के फ्लैट में काम करने वाली नौकरानी थी। एक दिन वह रसोई में कुछ काम कर रही थी। अचानक एक बंदर आ गया और खाने की मेज़ पर बैठकर फल खाने लगा। कंचन के भगाने पर वह गुर्राने लगा। यह देखकर वह बुरी तरह से डर गई।

ङ.) बंदरों के विषय में कंचन की राय कैसे बदल गई? इससे उसके चरित्र का कौन–सा पक्ष उजागर होता है?

उत्तर- जब बंदरिया ने बिल्ली के भूखे बच्चे को दूध पिलाया तो यह देख कर बंदरों के प्रति कंचन की राय बदल गई। इससे कंचन के चरित्र का मानवीय पक्ष उजागर होता है।

2 . कथानक के क्रम के अनुसार वाक्यों की क्रम संख्या लिखिए। (यहां उत्तरों का क्रम प्रश्न के आखिर में डाला गया है)

क) चिड़ियों के चीं–चीं करने पर बिल्ला वहां से खिसक गया। **3**

ख) कंचन ने बंदरिया को बिल्ली के भूखे बच्चों को दूध पिलाते देखा। **6**

ग) लेखक बालकनी में बैठकर चिड़ियां, गिलहरियों को देखकर आनंद लेते थे। **1**

घ) लेखक की छत पर बिल्ली ने बच्चे दिए थे। **5**

ङ.) एक खूबसूरत सुबह बिल्ला चिड़ियों के घोंसले में आना चाहता था। **2**

च) घर में काम करने वाली कंचन बंदरों से बहुत डरती थी। **4**

3 . सही उत्तर पर सही का चिन्ह लगाइए।

क) लेखक फ्लैट में रहते थे-

उत्तर- (ii) दूसरी मंज़िल पर

ख) जाड़ों की रात में लेखक ने जब बालकनी का दरवाजा खोला तो एक-

उत्तर- (ii) बंदरिया उछलकर भागी

ग) बंदरिया बालकनी में आई थी-

उत्तर (i) पानी, हवा और सर्दी से बचने के लिए

बात भाषा की- (1.) दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग तथा वचन लिखिए।

क) वैसे पेड़ बहुत ऊंचे थे। पुल्लिंग बहुवचन

ख) कोई भी इनको डंडा लेकर खदेड़ देता था। पुल्लिंग एकवचन

ग) किसी भी तरह की आवाज किए बगैर घोसले तक पहुंच जाए। पुल्लिंग बहुवचन

घ) लेकिन मुझे तो कहानी लिखनी थी। स्त्रीलिंग एकवचन

ड़.) सर्दियां खत्म होने वाली थी। स्त्रीलिंग बहुवचन

च मैं कपड़े डालने छत पर गई थी। पुल्लिंग बहुवचन

2) करण और अपादान कारक पहचानिए और लिखिए।

क) ये बंदर कहां से आए होंगे? अपादान कारक

ख) लोग इन्हें अपने घरों से लगाते रहते थे। अपादान कारक

ग) बंदरिया के पेट से उसका बच्चा चिपका हुआ था। करण कारक

घ) बिल्ला बहुत धीरे-धीरे होशियारी से पेड़ पर चढ़ा रहा था। करण कारक

ड़) बिल्ली ने उनकी तरफ़ लापरवाही से देखा। करण कारक

च) इस घटना के बाद कंचन बंदरों से डरने लगी थी। अपादान कारक

3.) निम्नलिखित वाक्यों में आई क्रियाएं सकर्मक हैं या अकर्मक? पहचान कर लिखिए।

क) मैं बालकनी में बैठकर पेड़ों को देखा करता था। सकर्मक

ख) मैं बालकनी में बैठा हुआ था। अकर्मक

ग) मैं चाहता तो बिल्ली को रोक सकता था। सकर्मक

घ) कभी-कभी बंदरों की एक टोली आ जाती थी। सकर्मक

ड़) एक दिन कंचन रसोई में कुछ काम कर रही थी। सकर्मक

4.) क्रिया विशेषण शब्दों को रेखांकित कर भेद लिखिए।

क) बिल्ला बहुत धीरे-धीरे पेड़ पर चढ़ जाता था। रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ख) यकीन था कि बिल्ला ऊपर चढ़ता जाएगा। स्थानवाचक क्रियाविशेषण

ग) अचानक एक दिन शोर मचा कि बंदर आ गए। रीतिवाचक क्रियाविशेषण

घ) एक बंदरिया उछलकर भागी। रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ड़) वही परिवार था जो पहले भी आता रहा था। कालवाचक क्रियाविशेषण

5) दिए गए वाक्यों में विशेषण अथवा क्रिया विशेषण पहचान कर लिखिए।

क) यह एक खूबसूरत सुबह थी। (विशेषण)

ख) दोनों बारिश में पूरी तरह भीग गए थे। (क्रियाविशेषण)

ग) जाड़ों की सर्द रात थी। (विशेषण)

घ) उसकी तेज और चमकीली आंखें चिड़ियों के घोंसलों की ओर थी। (विशेषण)

ड़) चिड़ियों की आवाज सुनकर जल्द ही वहां और चिड़ियां आ गईं। (क्रियाविशेषण)

ङ) एक दिन कंचन रसोई में कुछ काम कर रही थी। (क्रियाविशेषण)

(गृहकार्य पेज नंबर 32 पर दिए गए प्रश्न क्रमांक 6 अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कृपया छात्र स्वयं ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर लिखें।)